VISION IAS

www.visionias.in

RECEIVED
No. 3 30 AUG 2022 M N
VISION IAS

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1834)

Name of Candidate	Bharat Jai prakash Meena		
Medium Eng./Hindi	Hindi	Registration Number	160872
Center	M.N.	Date	29 Aug 2022

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. The Sunga dynasty contributed significantly to the cultural and social development in ancient India. Discuss. **(150 words) 10**

प्राचीन भारत में सांस्कृतिक और सामाजिक विकास में शुंग वंश का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। चर्चा कीजिए।

मौर्य वंश के अंतिम शासक बृहद्रथ की हत्या कर पुष्यमित्र शुंग ने शुंग वंश की स्थापना की थी।

सामाजिक विकास

(1) पतंजलि नामक विद्वान को आश्रय प्रदान किया जिन्होंने महाभाष्य लिखा तथा योग-दर्शन दिया।

(2) मनु-स्मृति की रचना, इसी काल में हुई।

(3) ब्राह्मण-वाद का पुनः उत्थान हुआ। तथा ब्राह्मण धर्म को प्रोत्साहन मिला।

सांस्कृतिक विकास → संस्कृत को प्रोत्साहन दिया।

(1) मौर्य काल में बने अनेक स्तूपों का पुनः निर्माण कराया तथा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भरहुत के स्तूप की मरम्मत कराई। इस दौर में स्तूपों का आकार बड़ा तथा अलंकरण पर बल दिया जाने लगा।

(2) मूर्तिकला के क्षेत्र में यक्ष-यक्षिणी की मूर्तियां उल्लेखनीय है।

(3) कालिदास रचित मालविकाग्निमित्र, पुष्यमित्र शुंग के पुत्र अग्निमित्र के ऊपर ही रचित है।

(4) मनुस्मृति, योग दर्शन का प्रचार-प्रसार तथा अनेक टीकाएं लिखी गयी।

शुंग वंश का शासन ब्राह्मण उद्धारक तथा बौद्ध-उत्पीड़क के रूप में विख्यात है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. Discuss the role of foreign nationals in the Indian freedom struggle during the Gandhian phase. **(150 words) 10**

भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष के गांधीवादी चरण के दौरान विदेशी नागरिकों की भूमिका की विवेचना कीजिए।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भारतीय नागरिकों के साथ - साथ विदेशी नागरिकों का भी व्यापक योगदान माना जाता है।

प्रमुख भूमिका

① एनी बेसेन्ट -

- होमरूल आंदोलन की संस्थापक
- INC की प्रथम महिला अध्यक्ष
- तिलक के साथ मिलकर स्वतंत्रता तथा राजनीतिक जनजागरण को प्रोत्साहन।
- महिला अधिकारों को प्रोत्साहन।

② सिस्टर निवेदिता

- स्वामी विवेकानंद की शिष्या
- औपनिवेशिक अत्याचार का विरोध
- महिला अधिकारों हेतु जन-जागरण।

③ मीरा बेन
- महिला भागीदारी हेतु भारतीय मध्यवर्ग में जन - जागरण
- गांधीवादी मूल्यों का प्रचार - प्रसार
- महिला - सशक्तिकरण हेतु प्रयास

④ वेब मिलर
- अमेरिकी पत्रकार, जिन्होने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का वास्तविक चित्रण किया तथा USA में प्रचार - प्रसार।

⑤ सी एंड्रूज - औपनिवेशिक शोषण के विरोध में जेल भी गये।

⑥ सी स्टोक्स - अमेरिकी नागरिक थे जो मानवता एवं विश्व - कल्याण के साथ, औपनिवेशिक शोषण का विरोध कर रहे थे।
इस प्रकार वसुधैव कुटुम्बकम् की धारणा रखने वाले विदेशी नागरिकों के प्रयासों से भारत स्वतंत्र हुआ।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. Provide an account of the contributions of Ram Manohar Lohia during the Indian freedom struggle and in post-independence India. **(150 words) 10**
भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान एवं स्वातंत्र्योत्तर भारत में राम मनोहर लोहिया के योगदान का विवरण प्रस्तुत कीजिए।

राम - मनोहर लोहिया, भारत की स्वतंत्रता के नायक थे जिनका स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान तथा पश्चात भी प्रमुख योगदान रहा।

स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान

(1) J.P. नारायण, अच्युत पटवर्धन तथा आचार्य नरेन्द्र देव के साथ मिलकर, कांग्रेस समाजवादी दल की स्थापना की। (1934)

(2) कांग्रेस के कराची अधिवेशन में समाजवादी विचारधारा के माध्यम से सामाजिक - आर्थिक अधिकारों की घोषणा में प्रमुख योगदान ~~रह~~ रहा।

(3) आंदोलन के दौरान मजदूर, किसानों की बात रखने वाले प्रमुख नेता।

(4) भिन्न मुद्दों पर गांधी - नेहरू से टकराव के बावजूद, सहयोग एवं समन्वय।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

स्वतंत्रता-पश्चात् -

① कश्मीर मुद्दे पर बेबाक राय रखी तथा कश्मीर को भारत का अभिन्न हिस्सा माना।

② Art-370 का विरोध।

③ आजादी पश्चात् भूमि-सुधारों में प्रमुख योगदान।

④ एकात्म मानवतावाद के दर्शन के माध्यम से सम्पूर्ण विश्व के कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया।

⑤ आजादी पश्चात् समाजवादी विचारधारा को केन्द्र में रखते हुये सामाजिक-आर्थिक हेतु 'Heavy industry' को प्रोत्साहन।

कॉंग्रेस से मतभेदों के कारण राममनोहर लोहिया ने J.P. नारायण के साथ मिलकर अलग राजनीतिक दल 'जनता दल' स्थापित कर, राजनीतिक विकल्प प्रदान किया।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. What do you understand by tsunamigenic zones? Giving an account of their global distribution, explain the propagation of tsunamis. **(150 words) 10**
सुनामी जनक क्षेत्रों से आप क्या समझते हैं? उनके वैश्विक वितरण का विवरण देते हुए, सुनामी के संचरण की व्याख्या कीजिए।

सुनामी जनक क्षेत्र ऐसे क्षेत्र है जहाँ होने वाली अनेक भू-भौतिकी घटनाओं के कारण, सुनामी तरंगे पैदा हो सकती है।
उदा० - (1) जापान sea में ज्वालामुखी, भूकंप के कारण सुनामी।

वैश्विक वितरण -

(1) मुख्यतः पश्चिमी प्रशांत महासागर में प्रशांत महासागर प्लेट तथा यूरोपियन प्लेट के अभिसरण का क्षेत्र, जिसके कारण व्यापक सुनामी आती है।

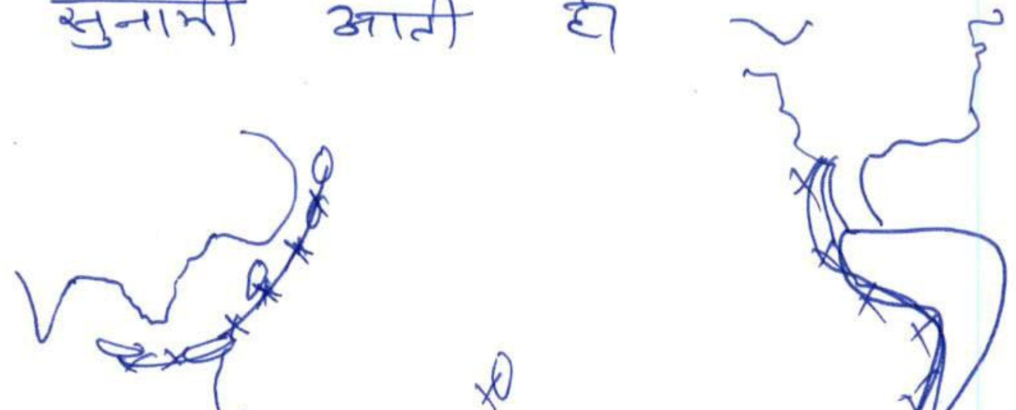

② परि - प्रशांत पेटी के किनारे, भूकंप एवं ज्वालामुखी के कारण सुनामी के लिये सुभेद्य है।

③ इंडोनेशिया, फीलीपीन द्वीप समूह 'Ring of fire' के कारण होने वाले समुद्री ज्वालामुखी विस्फोट के कारण सुनामी पैदा करते है।

संचालन —

① गहरे समुद्र में भूकंप या ज्वालामुखी विस्फोट।

② विस्फोट के कारण लहरों का बनना, जिनका गहरे समुद्र में आकार कम तथा तीव्रता अधिक होती है।

③ तटिय क्षेत्रों में होने वाले अवरोधों के कारण रूकावट की वजह से गति कम होने के कारण, आकार अत्यधिक, जिससे तटिय क्षेत्रों में अत्यधिक हानि होती है।

सुनामी से निपटने हेतु 'सुनामी रेडी फार्मुला' तथा 'सुनामी रेडी कम्युनिटी' समय की जरूरत है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. What are atmospheric lakes? Highlight their characteristics.

(150 words) 10

वायुमंडलीय झीलें क्या हैं? उनकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. What are polymetallic nodules? Highlight their geographical distribution and state their significance. **(150 words) 10**

पॉलीमेटेलिक नोड्यूल्स (बहुधात्विक ग्रंथियां) क्या हैं? उनके भौगोलिक वितरण पर प्रकाश डालिए और उनका महत्व बताइए।

पॉलीमेटेलिक नोड्यूल्स, महासागरों की ~~सतह~~ धरातल पर मिलने वाली छोटी-छोटी, धातु की गोलियां है जो कि अनेक धातुओं का मिश्रण होती है।

भारत ने हिन्द महासागर में बहुधात्विक ग्रंथियों के खनन हेतु international sea-bed Authority से अनुमति प्राप्त कर ली है।

भौगोलिक वितरण

① भारत के Exclusive economic zone से दूर, हिन्द महासागर PMN से समृद्ध है।

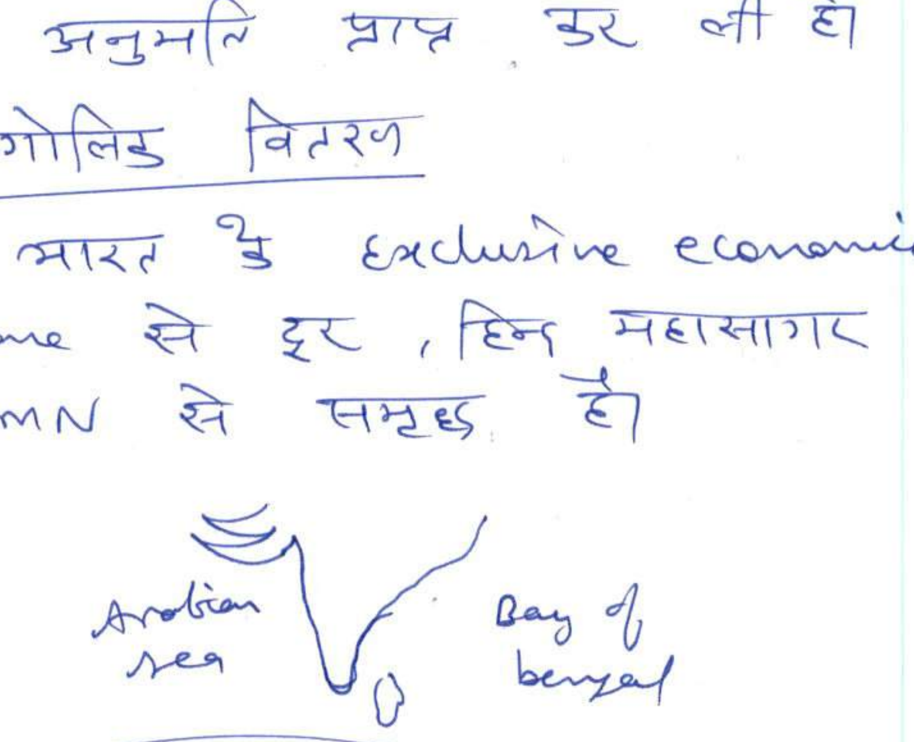

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

महत्व

① critical mineral जैसे Ni, cobalt तथा zinc की अत्याधिक मात्रा, इन धातुओं की वैश्विक आपूर्ति बढ़ा सकती है।

② PMN के खनन के द्वारा china-centric, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का विकेन्द्रीकरण होगा।

③ भारत की भविष्य की ऊर्जा जरूरतें भी पूरी की जा सकती है।

④ New & emerging तकनीकों हेतु semi-conductor निर्माण में आत्म-निर्भरता को प्रोत्साहन।

PMN के कारण हिन्द-महासागर का बढ़ता आर्थिक महत्व, चीन की चुनौती ने नई चुनौती को जन्म ~~किया~~ दिया है जिसके लिये UNCLOS का पालन करना तथा बहुपक्षीय वैश्विक नियमों पर सहमति जरूरी है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. What are technical textiles? In view of their significance, discuss the steps taken by the government to promote them in India. **(150 words) 10**

तकनीकी वस्त्र क्या होते हैं? उनके महत्व को देखते हुए भारत में उन्हें बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर चर्चा कीजिए।

तकनीकी वस्त्रों से तात्पर्य वर्तमान दौर में उच्च विशेषता एवं जरूरत वाले स्पोर्ट वस्त्र, सैनिटरी पैड, पैराशूट, PPE, जिम एसेसरी, छाता आदि तकनीकी वस्त्रों में शामिल है।

महत्व

① भारत में तकनीकी वस्त्रों का उभरता बाजार तथा निर्यात केन्द्रीत वस्त्र है।

② भारतीय textile उद्योग का कायाकल्प करने की क्षमता।

③ श्रम-गहन क्षेत्र है जो कि रोजगार प्रदान करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

④ राष्ट्रीय विनिर्माण नीति, 2019 के लक्ष्यों की प्राप्ति में लाभदायक।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

सरकारी कदम

① National mission on technical textile के माध्यम से निर्माण तथा निर्यात प्रोत्साहन।

② PLI स्कीम

③ 100% FDI

④ PM-मित्रा के तहत, textile parks की स्थापना।

⑤ man-made fibre हेतु स्पेशल स्कीम।

⑥ निर्यात प्रोत्साहन हेतु RODTEP स्कीम

तकनीकी वस्त्रों के 6th बड़े उत्पादक के रूप में भारत वैश्विक हब बनने की क्षमता रखता है जिसके लिये 'Ease of doing business' प्रोत्साहन समय की जरूरत है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Discuss the challenges that internal migration creates for urban governance in India. Also, suggest measures to address the same. **(150 words) 10**

भारत में आंतरिक प्रवासन द्वारा शहरी शासन के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों की विवेचना कीजिए। साथ ही, इससे निपटने के उपायों का भी सुझाव दीजिए।

शहरों में आर्थिक विकास तथा बेहतर सुविधाओं जनित pull factor तथा कृषि, बेरोजगारी तथा अल्प-विकास जनित push factors के कारण व्यापक स्तर गावों से शहरों की ओर प्रवासन देखा जाता है जिससे शहरी शासन के समक्ष चुनौतियाँ पैदा होती हैं

(1) शहरी infra पर दबाव के कारण, traffic की समस्या, बेहतर स्वास्थ्य एवं शिक्षा प्रदायगी में चुनौती।

(2) शहरों में आवास की मांग बढ़ने से, भूमि तथा आवास किराया उच्च, जिससे कच्ची बस्तियों का विकास।

(3) प्राचीन नदी, नालों तथा सरकारी भूमि पर अतिक्रमण व झुग्गी-झोपड़ी

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

का विकास।

(4) मूलभूत सुविधा प्रदान करने हेतु शहरी निकायों पर दबाव बढ़ता है।

(5) कच्ची बस्तियाँ गरीबी, भूखमरी के कारण जुआ, वेश्यावृत्ति, मद्यपान एवं तस्करी के केन्द्र के रूप में उभरते हैं।

उपाय

(1) शहरी निकायों की क्षमता में वृद्धी

(2) शहरी समस्याओं के स्मार्ट समाधान = स्मार्ट सिटी मिशन।

(3) कृषि का आधुनिकीकरण तथा MSME को प्रोत्साहन द्वारा प्रवासन रोका जाये।

(4) e-श्राम पोर्टल के माध्यम से पहचान सुनिश्चित कर सरकारी schemes का लाभ प्रदान करना करना।

प्रवासन के उचित लाभ हेतु one nation, one ration card तथा e-श्राम पोर्टल सरकार ने निर्मित किया है।

9. Discuss the various opportunities and challenges posed by globalization on working women in India. **(150 words) 10**

भारत में कामकाजी महिलाओं के लिए वैश्वीकरण द्वारा उत्पन्न विभिन्न अवसरों और चुनौतियों पर चर्चा कीजिए।

वैश्वीकरण वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से अनेक देशों की अर्थव्यवस्था, समाज एवं संस्कृति में व्यापक परिवर्तन आते है तथा मूल्यों का आदान - प्रदान होता है।

महिलाओं हेतु अवसर

① FDI को प्रोत्साहन — call centers में Jobs↑
- gig - economy में रोजगार↑
- infra - projects में रोजगार
- कार्यक्षेत्र में विस्तार

② उच्च आय परिवारों में
- घरेलू कार्यों हेतु
- बच्चों, वृद्धों की देखभाल हेतु

③ वर्क - फ्रॉम - home ने परिवार तथा Jobs के मध्य संतुलन को प्रोत्साहन।

④ Digital साक्षरता के कारण क्षेत्र का विस्तार

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

चुनौतियाँ -

① इंटरनेट → निजता हनन, वस्तुकरण, cyber स्टाकिंग, फिशिंग

② उभरती तकनीकें -

(A) crypto-currency
↳ वेश्यावृत्ति, तस्करी हेतु online भुगतान से प्रोत्साहन

③ office में sexual Harassment के मामलों में वृद्धि

④ चेन - तोड़ने की घटनाएँ

⑤ न्यूनतम मजदूरी, पुरुषों की तुलना में कम व श्रम अवमूल्यन

⑥ राजनीतिक भागीदारी ↑
↳ proxy culture का जन्म

वैश्वीकरण का यथोचित लाभ लेने हेतु महिला साक्षरता को प्रोत्साहन तथा राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने की जरूरत है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Discuss the rationale behind anti-conversion laws in India. Also, state the concerns that have been raised with regard to these laws.

(150 words) 10

भारत में धर्मांतरण विरोधी कानूनों के पीछे निहित तर्कों पर चर्चा कीजिए। साथ ही, इन कानूनों के संबंध में व्यक्त चिंताओं का भी उल्लेख कीजिए।

प्रसिद्ध स्टैनिसलास केस में SC ने कहा कि धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार में धर्म-परिवर्तन कराना शामिल नहीं है क्योंकि यह law & order के समक्ष चुनौती पैदा कर सकता है। इसी आधार पर धर्मांतरण विरोधी कानून बनाये जाने लगे।

निहित तर्क –

1. जबरन धर्म-परिवर्तन रोकने हेतु
2. लोभ-लालच के आधार पर धर्म-परिवर्तन रोकने हेतु।
3. Art-25 { सदाचार, नैतिकता, Law & order } के आधार पर बनाने का अधिकार
4. M.P. में गठित नियोगी समिति की सिफारिशे।
5. गरीब वर्ग को प्रलोभन में करी

⑥ धर्म के आधार पर विवाह को रोकने हेतु (Love - Jihad का मुद्दा - U.P. सरकार)

चिंताएँ -

① व्यक्ति की स्वतंत्रता को हतोत्साहित करती है।

② धर्म-निरपेक्ष राज्य के प्रतिकूल

③ सांप्रदायिकता को प्रोत्साहित करती है।

④ special marriage Act के विरुद्ध।

⑤ SC ने भी एक मामले में धर्म- परिवर्तन की जरूरत को स्वीकार किया है।

⑥ अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के साधन के रूप में।

एक लोकतांत्रिक तथा धर्मनिरपेक्ष राज्य के रूप में धर्मांतरण विरोधी कानून भारत की छवि को हानि पहुंचाते हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. Central Asian contacts had a profound political and cultural impact on India in ancient times. Discuss. **(250 words) 15**

प्राचीन काल में मध्य एशियाई संपर्कों का भारत पर गहरा राजनीतिक और सांस्कृतिक प्रभाव पड़ा है। विवेचना कीजिए।

पश्चिमी चिंतकों द्वारा प्रायः यह आरोप लगाया जाता है कि प्राचीन भारतीय भोग-विलास में व्यस्त रहे थे तथा शेष-विश्व से अलग-थलग रहे, जिसके कारण सांस्कृतिक एवं वैज्ञानिक उन्नति का अभाव रहा। परंतु, यह आरोप पूर्णतः सत्य नहीं है।

मध्य-एशिया सम्पर्कों का कारण

1. चीन, ASEAN के समुद्री रास्ते से पश्चिम के साथ होने वाले व्यापार में मध्यस्थ की भूमिका।
2. Silk route की एक शाखा बलूचिस्तान से होते हुये कराची पोर्ट तक आती है।
3. तक्षशिला, उत्तर-पश्चिम के केन्द्र के रूप में।
4. मध्य-एशिया से लगातार

होने वाले आक्रमण।

<u>सांस्कृतिक प्रभाव</u>

① <u>स्थापत्य पर</u>

↳ स्थापत्य के रूप में मूर्तिकला की गांधार शैली का विकास हुआ जो रोमन एवं ग्रीक के साथ-साथ मध्य-एशिया के प्रभावों से युक्त थी।

② <u>भाषा</u> – उर्दू के रूप में नई भाषा का विकास।

उर्दू = हिन्दी + तुर्की + ईरानी + फारसी + अरबी का समन्वय।

③ <u>धर्म</u> – भक्तिकाल की एक प्रमुख प्रवृत्ति के रूप में सूफी काव्यधारा का विकास।

④ भारत की काव्य शैली में <u>ग़ज़ल</u>, <u>मुकरियाँ</u>, <u>शेरो-शायरी</u> का विकास।

⑤ खान-पान के स्तर पर फालूदा,

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बिरयानी का भारत में आना।

(6) भारत की गंगा-जमुनी संस्कृति का विकास।

(3) indo-islamic स्थापत्य पर भी गुंबद, मेहराब के रूप में प्रभाव।

(8) चित्रकला पर भी राजा-महाराजा शिकार तथा दरबारी चित्रण को प्रोत्साहन

राजनीतिक प्रभाव

(1) कुषाणों का आगमन

(2) शक-शक पहलवों का भारत की ओर आकर्षित होना।

(3) मुगलों का मध्य-एशिया से भारत आना।

(4) लोदी वंश के रूप में अफगान वंश की स्थापना।

(5) मंगोलों का आक्रमण

भारत की वर्तमान गंगा-जमुनी संस्कृति तथा साझा सांस्कृतिक धरोहर, मध्य एशियाई सम्पर्कों का परिणाम मानी जा सकती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. Governance, during the British rule, was a means of exploitation of India rather than a vehicle of public welfare. Discuss. **(250 words) 15**

ब्रिटिश राज के दौरान शासन (गवर्नेंस), लोक कल्याण के एक माध्यम के बजाय भारत के शोषण का एक साधन था। विवेचना कीजिए।

ब्रिटिश राज एक औपनिवेशिक राज था जिसका प्रमुख उद्देश्य भारत की सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक सत्ता पर नियंत्रण करना तथा मातृ हितों की पूर्ति करना था ना कि भारतीयों का कल्याण करना था।

शोषण का साधन -

① भू- राजस्व नीतियाँ भी ब्रिटिश जरूरतों के अनुसार बदली गयी तथा अधिकाधिक राजस्व प्राप्त कर धन का बहिर्गमन तथा किसानों के शोषण को जन्म दिया।

② कृषि का वाणिज्यिकरण

- औद्योगिक जरूरतों के अनुसार
- यूरोपीय बाजार के अनुसार
- खाद्यान्न उत्पादन ↓↓ ⇒ भुखमरी ↑

③ रेलवे का निर्माण, भीतरी प्रदेशों

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

से कच्चे माल की भारत से निर्यात तथा U.K. के आयात हेतु स्थापना।

(4) रेलवे पर निर्माण खर्च, UK की तुलना में ज्यादा तथा लाभांश भी अधिक।

(5) भारत में शिक्षा - पद्धति में वैज्ञानिक - तकनीकी शिक्षा का प्रसार न करना तथा कंपनी के लिये सस्ते क्लर्क, इ-भाषियों की उपलब्धता हेतु शिक्षा का प्रसार

(6) कानून - व्यवस्था की स्थापना राजस्व - वसूली तथा ब्रिटिश हितों को साधनों के लिये। जिसको उजागर illbert bill विवाद ने कर दिया था।

(7) मानवाधिकार तथा प्रेस की स्वतंत्रता का अभाव।

(8) सैन्य दलों की स्थापना, राजा-महाराजाओं पर नियंत्रण तथा औपनिवेशिक हितों की पूर्ति के लिये।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(9) समाज सुधार का उद्देश्य भी कंपनी की जन-कल्याणकारी छवि प्रस्तुत कर, अंग्रेजी सभ्यता का चलन दिखाना तथा ब्रिटेन के व्यापार परमिट को बढ़ावा दिलाना।

(10) सेन्या-व्यवस्था का उद्देश्य शासन पर अंग्रेजी पकड़ मजबूत करने हेतु।

भारत को लाभ

(1) प्रेस का आगमन
(2) मानवाधिकारों से परिचय
(3) शिक्षा का प्रसार
(4) जन-जागरण तथा राष्ट्रवाद का प्रचार।

ब्रिटिश औपनिवेशिक नीतियों से अप्रत्यक्ष रूप से हुये लाभ से एक मध्यवर्ग का उदय हुआ, जिसने शोषण के स्वरूप को पहचानकर, 'पश्चिम के हथौड़े से ही पश्चिम की बेड़ियों को तोड़ डाला।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. Discuss how India successfully dealt with the sensitive issue of language, which had the potential of threatening national unity in the post-independence period. **(250 words) 15**

चर्चा कीजिए कि भारत ने भाषा के संवेदनशील मुद्दे का, जिसमें स्वातंत्र्योत्तर अवधि में राष्ट्रीय एकता के समक्ष खतरा उत्पन्न करने की क्षमता थी, किस प्रकार सफलतापूर्वक समाधान किया।

भाषा एक संवेदनशील मुद्दा है। हाल ही में गृहमंत्री द्वारा हिन्दी के प्रोत्साहन को लेकर दिये गये प्रस्ताव के कारण पुनः हिन्दी को लेकर विवाद छिड़ा है

भारत में भाषाएँ

- 75+ भारत-यूरोपियन परिवार की भाषाएँ
- 20+ द्रविड़ भाषाएं
- पापुआ न्यू-गिनी पश्चात 2nd भाषायी विविधता वाला राष्ट्र है

भाषा द्वारा उत्पन्न खतरे

① क्षेत्रवादी प्रवृत्तियाँ उभरने लगी थी

② भाषा → बोडोलैण्ड, त्रिपरालैण्ड, तमिलनाडु } की माँग

③ हिन्दी को लेकर उत्तर-दक्षिण विभाजन

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(4) New education policy में त्रि-भाषा सूत्र का दक्षिणी राज्यों द्वारा विरोध

(5) अंतर्राज्यीय विवादों को जन्म
→ N-E राज्य
→ बेलगांव मुद्दा

भारत द्वारा समाधान

(1) भाषा के आधार पर, आजादी के बाद से ही राज्यों का पुनर्गठन किया गया है।
उदा०-(1) उड़ीसा (odia भाषी)
(2) आंध्र-प्रदेश (आंदोलन के कारण)

(2) धर आयोग की स्थापना
→ एक राज्य, एक भाषा के विचार को मान्यता नहीं दी।

(3) JVP आयोग
→ राज्य-पुनर्गठन हेतु भाषा को प्रमुख आधार माना परंतु, एकमात्र आधार के रूप में भाषा को स्वीकार न करना

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

④ फज़ल अली आयोग
↳ State Re-organisation Act के तहत राज्य निर्माण हेतु

- भाषा
- प्रशासनिक आसानी
- 5th वर्षीय योजना क्रियान्वयन

को आधार माना, इस प्रकार 'एक राज्य, एक भाषा' के सिद्धांत को नहीं अपनाया गया।

⑤ अनेकता में एकता, भारत की विशेषता के अनुरूप, सभी भाषाओं को प्रोत्साहन।

⑥ भाषा, लिपी का संरक्षण हेतु मूलाधिकार (Art-30)

⑦ मातृभाषा में शिक्षा हेतु (Art-350A)

⑧ New education policy - त्रिभाषा सूत्र

भारत की विविधता ही इसकी विशेषता है जिसमें किसी भी भाषा का विकास, प्राचीन व क्षेत्रीय भाषाओं की कीमत पर नहीं होना चाहिये।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. Bring out the factors, which led to decolonisation after the Second World War. Also, discuss the role played by India in this regard. **(250 words) 15**
उन कारकों का उल्लेख कीजिए, जिनके चलते द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विउपनिवेशीकरण हुआ। साथ ही, इस संबंध में भारत द्वारा निभाई गई भूमिका की भी विवेचना कीजिए।

द्वितीय विश्व युद्ध जर्मनी - ~~ऑस्ट्रिया~~ - इटली - जापान (धुरी राष्ट्र) तथा मित्र राष्ट्रों USA - USSR - फ्रांस - UK के मध्य 1939 - 1945 के मध्य हुआ जिसकी समाप्ति USA द्वारा हिरोशिमा एवं नागासाकी पर बम गिराने के पश्चात, धुरी राष्ट्रों की पराजय के साथ हुई।

वि-औपनिवेशीकरण के कारण

1) U.K., जापान जैसे औपनिवेशिक शक्तियों की आर्थिक स्थिति कमजोर हुई, जिससे उपनिवेशों पर नियंत्रण रखना मुश्किल हुआ।

2) WW II के पश्चात USSR द्वारा समाजवादी विचारधारा का प्रसार जिसने De-colonisation हेतु प्रोत्साहित किया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) पूँजीवाद का प्रसार तथा USA द्वारा free trade बढ़ाने तथा globalisation हेतु विऔपनिवेशीकरण को प्रोत्साहन।

(4) संयुक्त राष्ट्र की स्थापना तथा UN चार्टर ने वि-औपनिवेशीकरण में भूमिका निभाई।

(5) WW II के पश्चात गुट-निरपेक्ष आंदोलन को प्रोत्साहन, जिसने तृतीय विश्व के देशों में स्वतंत्रता को प्रोत्साहित किया।

(6) आधुनिकीकरण तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रसार के कारण उपनिवेशों में राष्ट्रीय आंदोलन तीव्र हुये फलस्वरूप, वि-औपनिवेशी-करण को प्रोत्साहन मिला।

भारत की भूमिका

(1) भारत, गुटनिरपेक्ष आंदोलन के संस्थापक सदस्यों में प्रमुख था (बांडुंग सम्मेलन, Indonesia)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) भारत ने अफ्रीका, Latin America में विऔपनिवेशीकरण को प्रोत्साहित किया।

(3) UN के माध्यम से colonial powers पर दबाव बनाया।

(4) Korea war में प्रमुख भूमिका।

(5) मॉरिशस के चागोस द्वीप पर U.K. के नियंत्रण को अवैध माना है।

(6) भारत मे समाजवादी विचारधारा का प्रभाव होने के कारण, USSR के प्रयासों का समर्थन।

WWII के पश्चात हुये वि-औपनिवेशिकरण के फलस्वरूप अनेक राष्ट्र स्वतंत्र हुये तथा वहाँ मानवाधिकारों की बहाली हुई।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. What are Marine Heat Waves (MHW)? Identify the causes of their formation and discuss their consequences for India. **(250 words) 15**

समुद्री ग्रीष्म लहरें (MHW) क्या हैं? उनके निर्माण के कारणों की पहचान कीजिए और भारत के लिए उनके परिणामों की विवेचना कीजिए।

समुद्री ग्रीष्म लहरें - MHW से तात्पर्य global warming तथा local factors की वजह से समुद्री सतह का तापमान सामान्य सीजन के तापमान से 5-6°C अधिक होने को संदर्भित करता है

कारण

① global warming के कारण तापमान में वृद्धि।

② ocean deoxidification

③ Dead zones का विस्तार

④ marine pollution

⑤ Deep sea mining जैसी गतिविधियाँ

⑥ सूर्य के cycle तथा blackspots में परिवर्तन

⑦ oil spill ; blast fishing की घटनाएँ

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

परिणाम

① मानव स्वास्थ्य पर

→ तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों में स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव
→ चरम स्थिति में मृत्यु
→ Dehydration
→ सिरदर्द, ऐंठन जैसी समस्याएँ
wildfires → UK → फ्रांस

② समुद्री पारितंत्र पर

↳ tropical cyclones में वृद्धी होती है
↳ TM → thermal expansion होता है
↳ Dead zones का विस्तार
↳ Ocean deoxidation होता है
↳ Ocean Acidification के कारण → Coral bleaching में वृद्धी।
↳ मत्स्य संसाधन, ठंडे जलीय क्षेत्रों में चले जाते हैं

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ sea level में वृद्धि

↳ तटीय क्षेत्रों में high tide तथा जल- भराव की समस्या।

↳ ocean current भी प्रभावित होती है जिससे Atlantic meridional overturning circulation (AMOC) की घटना को प्रोत्साहन

↳ whale, शार्क, छिछली समुद्रों में फंस जाती है।

समुद्री गर्म लहरों के प्रभावों से निपटने हेतु satelight के माध्यम से जल- चक्र (water cycle) की निगरानी रखी जा सकती है जिससे समय रहते इनके नकारात्मक प्रभावों से निपट जा सके।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. What are the geo-climatic conditions required for oil palm cultivation? Do you agree with the view that India should promote its large-scale cultivation to reduce import dependency? **(250 words) 15**

ऑयल पाम (ताड़ के तेल) की खेती के लिए आवश्यक भू-जलवायविक दशाएं क्या हैं? क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि आयात निर्भरता कम करने के लिए भारत को इसकी बड़े पैमाने पर खेती को बढ़ावा देना चाहिए?

ऑयल पाम मूलतः अफ्रीका के tropical क्षेत्र का पौधा है जिसकी वर्तमान में सर्वाधिक खेती मलेशिया, Indonesia तथा थाईलैण्ड जैसे Areas देशों में होती है। भारत अपनी तेल संबंधी जरूरते इन देशों से आयात कर पूरी करता है।

आयात के कारण बढ़ती वैश्विक supply stock संबंधी चुनौती तथा व्यापार घाटे ने भारत को oil palm में आत्म-निर्भरता हेतु प्रेरित किया है।

भू- जलवायविक दशाएँ -

① 20°-30°C के मध्य तापीय दशा।

② 300 lt. पानी / पेड़ रोजाना

③ tropical क्षेत्र तथा उसके आसपास का क्षेत्र

खेती को बढ़ावा देने के लाभ

① आयात निर्भरता ⇓ → Current Account Deficit ⇓

② आयात - निर्भरता ⇓ → forex बचेगा

③ खेती को प्रोत्साहन → कृषि का वाणिज्यीकरण को प्रोत्साहन

④ palm oil की खेती को प्रोत्साहन द्वारा किसानों की आय ⇑

⑤ crop Diversification को प्रोत्साहन

⑥ किसानों की आय बढ़ेगी तथा palm oil Refinery के माध्यम से Jobs पैदा होंगे → बेरोजगारी ⇓

हानियाँ

① invasive species के रूप में खतरा पैदा कर सकता है

② जैव - विविधता हानि।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ वर्तमान में निर्वनीकरण का मुख्य कारण।

④ water footprint अत्यधिक है, जबकि भारतीय कृषि मुख्यतः मानसून पर निर्भर

⑤ प्रारंभ में तीन वर्षों तक कोई आय नहीं। तथा उच्च प्रारंभिक लागत

⑥ दुनियां में निर्वनीकरण का प्रमुख कारण

सरकारी प्रयास (GSOF रिपोर्ट)

① National mission on oil palm के माध्यम से N-E क्षेत्र तथा A&N में खेती को बढ़ावा देने हेतु प्रयास।

② इन क्षेत्रों में जैव-विविधता पर प्रभाव का आंकलन कर आगे बढ़ने की जरूरत है

palm oil के स्थान पर भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल सरसों, अरंडी, तिलहन आदि को प्रोत्साहन (MSP द्वारा) द्वारा आयात निर्भरता पर बल देना चाहिये।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. In view of the changes witnessed in the state of Himalayan cryosphere, discuss the implications for India's water security. **(250 words) 15**

हिमालयी क्रायोस्फीयर (हिमांक-मंडल) की स्थिति में देखे गए परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए, भारत की जल सुरक्षा के लिए इसके निहितार्थों की विवेचना कीजिए।

हिमांक - मंडल से तात्पर्य हिमालयी क्षेत्र में बर्फ, ग्लेशियर, झीलों आदि सभी जलीय निकायों से है।

परिवर्तन

- glaciers का पिघलना
- glacial lake का निर्माण
- Albeido ↓
- Radiative forcing में वृद्धि
- black carbon के कारण ज्यादा Heat अवशोषण

परिवर्तनों के कारण

① global वार्मिंग

② cloud burst की घटनाएँ

③ ब्लैक कार्बन, बर्फ की सतह पर जमने से Albeido का कम होना

④ पर्यटन गतिविधियाँ

⑤ infra का निर्माण

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

जलसुरक्षा पर प्रभाव

① प्रारंभ में अत्यधिक बर्फ पिघलने के कारण बाढ़ एवं नदी-जल स्तर में वृद्धी।

② glacial lakes का निर्माण होगा जिससे glacial lake outburst flooding की संभावना में वृद्धि।

③ भारत तथा दक्षिण एशिया में जल की बढ़ती मांग तथा घटती मात्रा के कारण जलीय झगड़ों, water disputes में वृद्धि की संभावना।

④ ग्लेशियर पिघलने से पहाड़ी राज्यों में जल सुरक्षा पर खतरा

⑤ भारत में गंगा, सिन्धु एवं ब्रह्मपुत्र बेसिन पर व्यापक प्रभाव जैसे - जलस्तर ↓, सिंचाई हेतु उपलब्धता ↓

⑥ भारत - Nepal, भारत - BANG,

के मध्य जलीय बँटवारा संबंधी विवाद बढ़ सकते है।

(7) भारत की जलगहन फसलों पर निर्भरता ⇒ खाद्य-सुरक्षा की चुनौती पैदा कर सकती है।

(8) inland waterways पर प्रभाव

समाधान

(1) वैकल्पिक जल स्त्रोत
- अलवणीय जल → Recycle करना
- लवणीय जल ⇒ अलवणीय बनाने हेतु तकनीकी विस्तार

(2) micro irrigation को प्रोत्साहन
- 89% कुल जल } सिंचाई में use
- 92% भौमजल }

(3) zero Liquid discharge जैसे तकनीके अपनाना।

(4) inter-Linking of Rivers

भारत को इस चुनौती से निपटने हेतु कृत्रिम ग्लेशियर जैसी नई प्रथाएँ अपनाने की जरूरत है। - सोनम वांगचुक

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. Ocean warming, ocean acidification and ocean deoxygenation are often referred to as the 'deadly trio' for marine life. Discuss. **(250 words) 15**

महासागरीय तापन, महासागरीय अम्लीकरण और महासागरीय विऑक्सीकरण को प्रायः समुद्री जीवन के लिए 'घातक त्रयी' के रूप में संदर्भित किया जाता है। विवेचना कीजिए।

महासागरीय तापन से तात्पर्य समुद्र के बढ़ते तापमान को सूचित करता है IPCC की 6th रिपोर्ट के अनुसार पिछली 1 सदी में 1°c से ज्यादा महासागर के तापमान में वृद्धी हुई है

महासागरिय अम्लीकरण, महासागर के जल में CO_2 की अधिकता के कारण H_2CO_3 अम्ल में वृद्धी को दर्शाता है CO_2 सांद्रता बढ़ने के कारण IPCC रिपोर्ट में इसका जिक्र है

महासागरिय - विआक्सीकरण से तात्पर्य महासागरिय जल में घुली O_2 की मात्रा में कमी आने से है जिससे समुद्री पारितंत्र एवं कोरल ब्लीचींग जैसी समस्या होती है

कारण

① वैश्विक तापन
② महासागरों में बर्फ पिघलने से जल - स्तर में वृद्धी
③ मरिन प्रदूषण
④ पर्यटन एवं fishing
⑤ Deep sea mining

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(6) समुद्री परिवहन → SO_x प्रदूषण

समुद्री जीवन पर प्रभाव

(1) तापमान बढ़ने के कारण मछलियां गहरे समुद्र में चली जाती है। जिससे fishing की चुनौतियां ↑

(2) तापमान बढ़ने के कारण मरिन हिट वेव की चुनौती।

(3) T↑ → tropical cyclones↑, जिससे मैंग्रोव तथा समुद्री जैव-विविधता पर खतरा

(4) अम्लीकरण के कारण $CaCO_3$ नहीं बनता, जिससे कोरल ब्लीचिंग तथा पुनः निर्माण की दर ↓

(5) अम्लीकरण में वृद्धी से जेलीफीश जैसी प्रजातियों को प्रोत्साहन

(6) अम्लीकरण में वृद्धी के कारण मूगा या प्रवाल चट्टाने निर्मित नहीं होती।

(7) विऑक्सीकरण के कारण जीवों को सांस लेने हेतु बार-2 सतह पर

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आना पड़ता है।

(8) व्हेल, शार्क आदि के पिछले जालों में फसने की घटना भी इसी से संबंधित है।

(9) Dead zones का विस्तार

(10) समुद्री जैव-विविधता हानि के कारण मानवीय आजीविका प्रभावित होती है।

समाधान

(1) IMO guidelines का पालन

(2) oil spill की घटनाओं पर नियंत्रण (e.g.- इक्वाडोर, मारिशस)

(3) great barrier reef की तरह वैज्ञानिक प्रयासों से coral को Restore करना

सागरीय तापन, वि-ऑक्सीकरण तथा अम्लीकरण पर निगरानी की जरूरत है जिससे marine heat waves तथा tropical cyclones पर नियंत्रण रखकर, जान-माल की हानि कम की जा सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. Tribals in India continue to face myriad challenges with regard to healthcare. Discuss the issues faced by them in this context and suggest remedial measures. **(250 words) 15**

भारत में आदिवासियों को स्वास्थ्य देखभाल के संबंध में निरंतर अनगिनत चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इस संदर्भ में, उनके द्वारा सामना किए जाने वाले मुद्दों की विवेचना कीजिए एवं उपचारात्मक उपायों का सुझाव दीजिए।

Census 2011 के अनुसार भारत में लगभग 10.6Cr आदिवासी है जो कि कुल जनसंख्या का 8.6% है

स्वास्थ्य चुनौतियाँ

1. प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल का अभाव
2. संस्थागत Delivery का अभाव (NFHS-5)
3. 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है स्वास्थ्य बीमा तक पहुँच का अभाव।
4. 50-55% निरक्षरता के कारण तम्बाकू का अत्याधिक प्रचलन
5. preventive की बजाय curetive स्वास्थ्य दृष्टिकोण
6. झाड़-फूँक पर अत्याधिक विश्वास
7. दुर्गम, आदिवासी इलाकों में Connectivity का अभाव।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(8) आदिवासी क्षेत्रों में कार्य हेतु Doctors की अनिच्छा

(9) जीवन प्रत्याशा < tribal - 64 वर्ष, भारत - 67 वर्ष

(10) zoonotic diseases के प्रति अत्याधिक सुभेद्यता (eg - gond tribe में तथा सेंटिनलीज में covid -19)

(11) vaccine hesitancy की समस्या

<u>उपचारात्मक उपाय</u>

(1) connectivity में वृद्धि की जाये

(2) संस्थागत प्रसव में वृद्धी हेतु Asha वर्कर को प्रोत्साहन जिससे IMR, MMR में कमी आयेगी।

(3) PVTGs हेतु विशेष प्रावधान

(4) स्वास्थ बीमा कवर ↑

(5) universal health कवरेज, आदिवासी हेतु

(6) संक्रामक रोगों की बजाय गैर - संक्रामक रोगों के पर focus ↑

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(7) preventive health care अप्रोच को प्रोत्साहन।

(8) आदिवासी नेता, धर्मगुरु के माध्यम से covid संबंधी भ्रान्ति-प्रसार तथा vaccine hesitancy को कम करना।

(9) राज्य सरकारों के स्तर पर आदिवासी हेतु स्पेशल स्कीम (Like - 36 गढ़)

आदिवासियों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु सेटेलाइट internet के तहत telemedicine को प्रोत्साहित कर स्वास्थ्य मानकों में सुधार समय की जरूरत है जिससे सबका साथ, सबका विकास का लक्ष्य प्राप्त किया जा सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. Reservation for women perpetuates a "proxy culture" as seen in the phenomenon of "sarpanch patis". In this context, discuss whether reservation can address the issue of poor participation of women in Indian politics. **(250 words) 15**

महिलाओं के लिए आरक्षण एक "प्रॉक्सी कल्चर" को बनाए रखता है जैसा कि "सरपंच पति" की परिघटना में देखा जाता है। इस संदर्भ में, चर्चा कीजिए कि क्या आरक्षण भारतीय राजनीति में महिलाओं की निम्न भागीदारी के मुद्दे का समाधान कर सकता है।

भारत में महिला आरक्षण विधेयक को संसद में लाये लगभग 25 वर्ष हो गये है परंतु, अभी भी यह लंबित है। WEF के gender gap Report के अनुसार भारत में महिला समानता लाने में 135 वर्ष लगेंगे। जो कि उस विधेयक की जरूरत दर्शाता है।

आरक्षण का लाभ

① महिला भागीदारी बढ़ेगी।

② महिला संबंधी मुद्दों पर बेहतर संवाद तथा निर्णयन

③ महिलाओं की सदन में बढ़ती भागीदारी → gender Justice

④ SDG प्राप्ति में लाभकारी

⑤ राजनीति के संबंध में पितृसत्तामक

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

धारणा में कमी आयेगी।

(6) विभिन्न वैश्विक संधियों - CEDAW, बिजिंग Declaration के अनुकूल

(7) महिला संबंधी मुद्दा - marital rape आदि पर कानून बनेगें

मुद्दे

(1) भारत में स्थानीय निकायों में महिला सरपंच (~~पंचपति~~) होने से 'पंचपति', (प्रधानपति) की अवधारणा की तरह महिला आरक्षण का निम्न लाभ।

(2) महिलानुकूल संसदीय वातावरण की चुनौती।

(3) पहले से राजनीति में स्थित परिवारों की महिलाओं को ही टिकट देकर राजनीतिक दल इसकी प्रभावशीलता को कम कर सकते है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(4) महिला साक्षरता < पुरुष साक्षरता

(5) प्रशासनिक मशीनरी का महिला के अनुकूल न होना।

(6) राजनीति में बढ़ता परिवारवाद एवं व्यक्तिवाद, महिला सांसद्य सदस्य के कार्यकाल की स्वतंत्रता को प्रभावित करेगा।

(7) राजनीतिक दलों की अनिच्छा।

समाधान

- राजनीतिक दलों को अपने स्तर पर प्रयास करना
  eg- कांग्रेस द्वारा UP चुनाव 40% महिला प्रत्याशी
- महिला आरक्षण विधेयक के माध्यम से संवैधानिक बाध्यता
- EC द्वारा प्रोत्साहन

अनेक समस्याओं के बावजूद महिला आरक्षण विधेयक समय की जरूरत है जिससे वैश्वीकरण जनित चुनौतियों से निपटने हेतु प्रभावी समाधान खोज पा सके।